<u>**Sixteenth Loksabha**</u>

an>

Title: Need to start production and marketing of Ayurvedic medicine for Acute Promyelocytic Leukemia.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी): एक्यूट प्रोमाइलोसिटिक ल्यूकेमिया एक तरह का ब्लड कैंसर है । एक लाख में 13 लोगों को यह कैंसर होने की संभावना होती है । ऐलोपैथिक दवाओं से यह ठीक हो जाता है, नियंत्रित रहता है, परंतु पूरी तरह से खत्म नहीं होता और दोबारा हो जाता है ।

उत्तराखंड के वैद्य डॉ. बालेन्दु प्रकाश ने 1997 से पहले ऐसे कैंसर के कई मरीजों का सफल इलाज किया था, जिसमें यह रोग पूरी तरह से ठीक हो गया था, लिहाजा सरकार ने उन्हें रिसर्च प्रोजेक्ट सौंपा । इस रिसर्च में सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदा एण्ड सिद्धा (सी.सी.आर.एस.) भी शामिल हुआ । 1997 में 11 ऐसे मरीजों पर पायलट स्टडी की गयी जिनके पैथोलॉजी जांचों से एम.पी.एम.एल. की पुष्टि हो गयी थी । 90 दिन के इलाज के बाद जिसमें इनको डॉ. बालेन्दु प्रकाश द्वारा बनायी गयी आयुर्वेदिक दवा दी गयी थी, न केवल यह पूरी तरह से ठीक हो गये, दोबारा इनको यह बीमारी नहीं हुई । परिणामस्वरुप भारत सरकार ने इसको प्रमाणिक माना, इस दवा का यू.एस.-यूरोपियन पेटेंट भी करा लिया तथा इस रिसर्च के लिए 39 वर्ष की आयु में डॉ. बालेन्दु प्रकाश को पद्म श्री से सम्मानित किया । लेकिन इस दवा का व्यवसायिक निर्माण व व्यापक प्रयोग अभी तक प्रारंभ नहीं हो सका है ।

मैं सरकार व आयुष मंत्रालय से ए.पी.एम.एल. की इस दवा के निर्माण व व्यवसायिक प्रयोग की मांग करता हूँ।